बच्चे को जिम्मेदार बनाएगा आपका प्यारा डॉगी

कहते हैं कि हम जैसे लोगों के साथ रहते हैं वैसा ही हमारा व्यवहार बनने लगता है। जहां अब बच्चों में अनुशासन की बेहद कमी होने लगी है, वहीं आपके बच्चे को लाइफ के प्रति एक बेहतर नजरिया देने के लिए पेट पैरंट बनना काफी हेल्पफुल हो सकता है। बहुत सी चीजें जो हम अपने बच्चे को सिखाना चाहते हैं, वह आपका पेट उसे सिखा देता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं, कैसे आपका पेट पैरंट बनना, आपके बच्चे को जिम्मेदार, सामाजिक और ऐक्टिव बना सकता है।

आजकल के समय में बच्चों में अनुशासन की बेहद कमी है। समाज में बदलाव के साथ बच्चों के व्यवहार में काफी फर्क आया है। अगर आपको लगता है कि आपका बच्चा जिद्दी बन रहा है, समय से काम नहीं कर रहा या उसे लोगों से घुलने-मिलने में दिक्कत होती है, तो आपको पेट पैरंट बनने की जरूरत है...

पेट पैरंट बनने पर घर के बच्चों पर पड़ने वाले असर के बारे में पेट एक्सपर्ट स्वाति टंडन बताती हैं, %बच्चों के लिए घर पर पेट रहना बेहद जरूरी है, खासतौर पर सिंगल बच्चों के लिए जो पेट के साथ बड़े होते हैं, उनकी इम्यूनिटी नॉर्मल बच्चों से ज्यादा होती है।

आजकल हर कोई बच्चे के लिए ही काम कर रहा है, लेकिन बच्चे पर कोई जिम्मेदारी नहीं देता। ऐसे में एक वक्त के बाद वह सेल्फफिश होने लगते हैं। अगर आप इस इको सिस्टम में पेट्स को शामिल कर देते हैं, तो बच्चा जिम्मेदारी सीखता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

है।

आपने देखा होगा कि कई बच्चे जानवरों को खेल-खेल में उन्हें मारने लगते हैं। ऐसे में बड़े होने पर भी उनका जानवरों के प्रति व्यवहार आक्रामक बना रहता है। सबसे जरूरी है बच्चे का व्यवहार हर जानवर के लिए अच्छा हो और वह प्रकृति की बनाई हर चीज को प्यार करे। ऐसे में अगर आपका बच्चा छोटा है, तो आपको एक पेट जरूर पालना चाहिए।

समय का समझेगा महत्व: अगर आपका बच्चा डॉग पालने की जिद करता है, तो आप डॉग जरूर अडॉप्ट करें। ऐसे में आप अपने बच्चे से डॉग के रुटीन के कामों को करने के लिए कह सकते हैं। जैसे कि रोज उसे समय पर खाना देना, उसे नहलाने में हेल्प करना, उसके सोने और बैठने की जगह को साफ रखना। इससे आपका बच्चा समय की कीमत समझेगा। साथ ही उसको इस बात का अहसास होगा कि उसकी कोई जिम्मेदारी भी है और उसे वह पूरी करनी है। ये ही आदत उसे जिम्मेदार इंसान बनाएगी। इसके साथ ही उसमें साफ-सुथरा रहने की प्रवृति भी पनपेगी।

टेंशन होगी कम, रहेगा ऐक्टिव: शौक-शौक में अक्सर बच्चे पालतू जानवरों के साथ बाहर निकल जाते हैं, जिसके बाद वह उनके साथ खूब खेलते हैं। इस दौरान वह दौड़ते भी हैं और उछल-कूद भी करते हैं। इसका बच्चे पर गहरा असर पड़ता है। स्कूल से आने के बाद बच्चे की थकान दूर हो जाती है और वह होमवर्क की टेंशन को भूल जाता है, उसका ब्लड प्रेशर भी नॉर्मल रहता है। इससे बच्चे की एक्सर्साइज और खेलकूद में भी रुचि बढ़ती है, जो उसके फ्यूचर के लिए बेहद जरूरी होती है।

व्यवहार बनता है सामाजिक और नैतिक: पेट चाहे डॉग हो या कैट, उनका साथ बच्चे को गुस्से में नियंत्रण करना, सामाजिक कौशल और आत्मसम्मान को अच्छा करने में मदद करता है। इससे बच्चों को अन्य लोगों से जुड़ने में भी मदद मिलती है। बच्चे किसी भी काम करते समय हिचकते नहीं है और निडर होकर उसे करते हैं। परिवार में डॉगी के होने से भाई-बहनों में प्यार बढ़ता है और वह एक-दूसरे का ख्याल रखना भी सीख जाते हैं। डॉगी के रहने से घर में चहल-पहल बनी रहती है, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहता है। इसके साथ ही वह हर किसी का सम्मान करने लगता है।

सिंगल बेबी को मिलता है साथ: आजकल लोग हम दो हमारा एक के विचार पर चलने का संकल्प लेते हैं। यह एक तरीके से अच्छी बात है, लेकिन इसका एक दूसरा पहलू यह भी हो सकता है कि आपका बच्चा अकेलापन महसूस करे। ऐसे में बच्चे दूसरे के बहन-भाइयों को देखकर उनकी कमी महसूस करने लगते हैं। अगर आप पेट पैरंट बनते हैं, तो आपके बच्चे का अकेलापन दूर होगा साथ ही उसका मन भी लगा रहेगा।

बचपन में एकता संग बहुत लड़ा करता था: तुषार

बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर ने वेब सीरीज बू सबकी फटेगी से डिजिटल के क्षेत्र में अपना डेब्यू किया है। तुषार की बहन एकता कपूर इसकी निर्माता हैं। तुषार का कहना है कि बचपन में दोनों एक-दूसरे से बहुत लड़ा करते थे, लेकिन अब वे दोस्त से भी बढ़कर हैं। यह पहली बार नहीं है, जब दोनों एक-दूसरे के साथ काम कर रहे हैं। जब तुषार से यह पूछा गया कि दोनों की निजी करीबी रिश्ते का प्रभाव पेशेवर जिंदगी पर कैसा है? इस पर तुषार ने बताया, बचपन में मैं एकता संग बहुत लड़ा करता था। चूंकि हमारे बीच उम्र का अंतर उतना ज्यादा नहीं है, हम हर चीज को लेकर लड़ते थे..चाहे वह गेम हो या टीवी देखना और हर वह छोटी चीज जिस पर भाई-बहन लड़ते हैं। हम एक ही कमरे में रहते थे। तुषार ने आगे बताया, लेकिन मुझे लगता है कि जब हमने काम करना शुरू किया और वक्त के साथ अब हम दोनों परिपच्च हो गए हैं। वह बहुत ही प्रतिभाशाली निर्माता हैं और अपने काम को लेकर उसमें बहुत जुनून है। तुषार क्या कूल है हम, गुड बॉय बैड बॉय, क्या सुपर कूल हैं हम और मस्तीजादे जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। क्या वक्त के साथ प्रासंगिक रहने के लिए उन्होंने डिजिटल मनोरंजन क्षेत्र में कदम रखा है, क्योंकि वेब प्लेटफॉर्म की पहुंच एक बार में कई दर्शकों तक होती है? तुषार ने कहा, नहीं, ऐसा नहीं है। सिनेमा के अलावा मैंने कुछ भी नहीं किया जैसे कि टीवी शोज, क्योंकि यह बहुत ज्यादा वक्त लेता है।

चेन प्रिंट खरीदें लेकिन इन बातों का रखें ध्यान

प्रिंटेड ड्रेसेज में कुछ नया ट्रेंड फॉलो करने का मूड है, तो चेन प्रिंट्स ट्राई कर सकती हैं। हॉलिवुड में तो ये प्रिंट्स इस समय खासे पॉपुलर हैं ही, वहीं अब इंडिया में भी हॉट ट्रेंड के रूप में उभर रहे हैं... अगर प्रिंट्स का लेटेस्ट ट्रेंड जानना चाहते हैं, तो चेन प्रिंट्स इस समय हॉट हैं और हर तरह की ड्रेसेज में पसंद किए जा रहे हैं।

ये भी ध्यान रखें

- बॉडी शेप को ध्यान रखकर करें कैरी।
- ड्रेसेज में प्रिंट्स को ओवरडू न करें।
- मिक्स एंड मैच कर सकती हैं।
- शॉर्ट ड्रेस लगेगी खास।
- यंगस्टर्स के बीच।
- खासतौर पर हिट।

डिजाइनर संजीदा श्रीवास्तव की मानें, तो चेन प्रिंट्स तेजी से पकड़ बना रहे हैं। इन दिनों तमाम मौकों और अवॉर्ड फंक्शन्स में फिलहाल ये प्रिंट्स छाए हुए हैं। दूसरा, इनके प्रति क्रेज होने की वजह से फ्रेश लुक पाने के लिए इनके साथ कई तरह से एक्सपेरिमेंट किए जा सकते हैं।

बेशक इन प्रिंट्स को पहनने का मतलब फैशन के साथ चलना है, लेकिन इस दौरान अपनी बॉडी शेप का ध्यान रखना भी जरूरी है। ज्योति कहती हैं, %छोटी बॉडी बिल्ट वाली महिलाओं को छोटे प्रिंट कैरी करने चाहिए। वहीं, वजन ज्यादा होने पर इन्हें लाइट पैटर्न में चूज करना चाहिए। अगर आप लंबी हैं, तो ऊपर से नीचे तक प्रिंट वाली ड्रेस पहन सकती हैं, क्योंकि हाइट में इनको कैरी करना बेहद आसान होता है।%

सोशल मीडिया ने किया हिट

इन प्रिंट्स को हिट करने में सोशल मीडिया का भी खासा योगदान रहा है। चेन प्रिंट को लेकर डिजाइनर कई तरह के प्रयोग भी कर रहे हैं। इसमें कट्स और पैटर्न्स का विशेष खयाल रखा जा रहा है। इसमें वनपीस, गाउन, स्टाइलिश जैकेट, एसिमेट्रिक कुर्ते, लेगिंग्स, जेगिंग्स, स्कर्ट और एक्सेसरीज बनाई जा रही है। चेन प्रिंट्स में स्टाइलिश आउटफिट्स के साथ-साथ एक्सेसरीज में भी चेन प्रिंट्स को पसंद किया जा रहा है।

नोटिसेबिल होते हैं प्रिंट

डिजाइनर रीना कहती हैं कि चेन प्रिंट्स में क्रिएटिविटी की खासी गुंजाइश रहती है। हालांकि इनमें कट्स को उभारने के लिए खूब मेहनत करनी पड़ती है। बावजूद इसके, इनका क्रेज बहुत ज्यादा है क्योंकि ये प्रिंट्स बहुत नोटिसेबिल होते हैं। ये आपको दूसरों से अलग दिखाते हैं। इसलिए किसी मौके पर इनको बखूबी कैरी किया जा सकता है। लेकिन इनकी लिमिट को लेकर कॉन्शस रहें।

चेन प्रिंट्स कॉटन, रुबिया और सिल्क में ज्यादा अच्छे लगते हैं। वहीं अगर प्रिंट्स की बात करें, तो सैफरन, रुबिया और स्ट्राइप्स मार्केट में ज्यादा पॉप्युलर हैं।